भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**राज्य सभा**

लिखित प्रश्न सं. 615 #

गुरूवार, 23 जुलाई, 2026/1 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल की प्रगति**

**615 # श्रीमती साधना सिंह:**
**श्रीमती सीमा द्विवेदी:**
**श्री अमर पाल मौर्य:**
**श्री मिथलेश कुमार:**
**श्री बृज लाल:**
**डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:**
**श्री जग्गेश:**
**श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े:**
**श्री मदन राठौड़:**
**श्री चुन्नीलाल गरासिया:**
**श्री लहर सिंह सिरोया:**
**श्री सुभाष बराला:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार द्वारा अवसंरचना विकास और डिजिटल प्रोत्साहन सहित भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई प्रमुख पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक पर्यटन तथा जन-जन के जुड़ाव को बढ़ावा देने में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम की प्रगति और प्रभाव क्या रहे हैं; और

(ग) अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन को बढ़ाने, यात्रा सुगमता तथा आध्यात्मिक, पर्यावरण, साहसिक और विरासत पर्यटन जैसे विशिष्ट पर्यटन उत्पादों के विकास के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): पर्यटन मंत्रालय ने पिछले दो वर्षों के दौरान अवसंरचना के विकास और डिजिटल प्रचार के माध्यम से पर्यटन के संवर्धन के लिए कई पहल की हैं, जो निम्नानुसार हैं:

i) मंत्रालय पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को स्वदेश दर्शन 2.0, चुनौती आधारित गंतव्य विकास, तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन

अभियान (प्रशाद) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) के साथ-साथ पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक योजनाओं के तहत दिशानिर्देशों के अनुपालन और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है।

ii) इसके अलावा, वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत सरकार की 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक पहल के तहत पर्यटन संबंधी परियोजनाओं के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई थी। पिछले दो वर्षों में, मंत्रालय ने अवसंरचना के विकास संबंधी योजनाओं के तहत 5756.62 करोड़ रुपये की 117 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

iii) मंत्रालय वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन सहित अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए वन-स्टॉप डिजिटल इंटरफेस के रूप में कार्य करता है, पर्यटन का संवर्धन करता है। सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया नया पोर्टल कई भाषाओं में उपलब्ध है और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंटों (ओटीए) और अन्य हितधारकों के साथ साझेदारी के माध्यम से तैयार यात्रा सामग्री, आवश्यक जानकारी और फ्लाइट, होटलों, कैब, बसों और एएसआई स्मारक टिकटों की निर्बाध बुकिंग प्रदान करता है। ऐसे संवर्धन को आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों, डिजिटल अभियानों और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स के साथ समन्वय से और सहायता दी जाती है।

(ख): एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) पहल को ईबीएसबी के लिए नोडल मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। हालाँकि, ईबीएसबी पहल के तहत, पर्यटन मंत्रालय पर्यटन संबंधी आयोजनों और संस्थागत गतिविधियों के माध्यम से कई कार्यक्रमों को भी कार्यान्वित कर रहा है। मंत्रालय भारत की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन क्षमता और विविध परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों की भागीदारी के साथ गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में प्रति वर्ष अपने प्रमुख कार्यक्रम भारत पर्व का आयोजन करता है। इस पहल के तहत, मंत्रालय ने एकता नगर, गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस, 2025 में भी भाग लिया।

इसके अलावा, मंत्रालय के केंद्रीय स्वायत्त निकायों, जिनमें 21 होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम), भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), भारतीय पाक कला संस्थान (आईसीआई) और भारत पर्यटन कार्यालय शामिल हैं, नियमित रूप से छात्रों के आदान-प्रदान के कार्यक्रम, परिचयात्मक यात्राएं, टूर ऑपरेटर नेटवर्किंग सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्षेत्रीय व्यंजन उत्सव, भाषा-शिक्षण संबंधी गतिविधियां और ईबीएसबी पहल के तहत राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों की पारस्परिक संस्कृति, परंपराओं, व्यंजनों और विरासत को उजागर करने वाली अन्य गतिविधियां आयोजित करते हैं। ये पहल सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देती हैं, लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देती हैं, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करती हैं और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत बनाती हैं।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाने, यात्रा को आसान बनाने और विशिष्ट पर्यटन उत्पादों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारतीय मिशनों, राज्यों/संघ

राज्यक्षेत्रों और पर्यटन हितधारकों के सहयोग से प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय स्रोत बाजारों में पर्यटन रोड शो, व्यापार बैठकों, परिचयात्मक यात्राओं, मीडिया और सोशल मीडिया अभियान, खाद्य उत्सव और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी के माध्यम से भारत का संवर्धन किया जाता है।

यात्रा की सुगमता में सुधार के लिए, सरकार ने ई-वीजा सुविधा के माध्यम से वीजा व्यवस्था को उदार और सरल बनाया है, जो वर्तमान में 174 देशों के नागरिकों के लिए नौ उप-श्रेणियों के तहत उपलब्ध है। मंत्रालय एक 24x7 बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन भी प्रदान करता है और इसने पेशेवर रूप से प्रशिक्षित पर्यटक सुविधाप्रदाताओं और गाइडों का एक समूह बनाने के लिए अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता प्रमाणन (आईआईटीएफसी) कार्यक्रम भी शुरू किया है, जबकि मौजूदा क्षेत्रीय स्तर के गाइडों को अखिल भारतीय मान्यता के साथ अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) प्रणाली के साथ जोड़ा गया है। इसके अलावा, मंत्रालय क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस-उड़ान) के तहत पर्यटन स्थलों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार के लिए नागर विमानन मंत्रालय के साथ कार्य कर रहा है, जिसके तहत 53 पर्यटन मार्गों को चिह्नित किया गया है और पर्यटकों के लिए यात्रा को निर्बाध एवं सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबंधित और संरक्षित क्षेत्रों में यात्रा से संबंधित उपायों पर गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहता है।

मंत्रालय नीतिगत पहलों, अवसंरचना के विकास और प्रचार संबंधी गतिविधियों के माध्यम से आध्यात्मिक, पारिस्थितिकी, साहसिक, निरोगता, चिकित्सा, एमआईसीई, विवाह और विरासत पर्यटन सहित विशिष्ट पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देता है। इसने राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा कार्यान्वयन के लिए सतत पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण होमस्टे, एमआईसीई, साहसिक पर्यटन, पारिस्थितिकी-पर्यटन और चिकित्सा और निरोगता पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतियों को तैयार किया है। मंत्रालय ने एमआईसीई पर्यटन के लिए मीट इन इंडिया उप-ब्रांड, डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए "इंडिया सेज़ आई डू" अभियान और सुरक्षित एवं स्थायी साहसिक पर्यटन के लिए मॉडल एडवेंचर टूरिज्म सेफ्टी फ्रेमवर्क भी जारी किया है।

*****